- **Olive Oil Times:**
  http://www.oliveoiltimes.com/olive-oil-business/asia/vn-dalmia/22055/3

- **Olio Offcina in Milan:**

  http://www.youtube.com/watch?v=AXGjbVndlaE

  http://www.businessnewsthisweek.com/2013/03/indias-emerging-significance-in-the-global-olive-oil-market.html

  http://pr24x7.wordpress.com/2013/03/14/indias-emerging-significance-in-the-global-olive-oil-market/

Current Jwala, Pg-3, 17.1.13

ऑलिव के दाम में तेजी, चढ़ेंगे 40 फीसदी दाम

जयपुर। ऑलिव के दाम में तेजी जारी है और पिछले 6 महीने में इसके दाम 50 फीसदी बढ़ चुके है। रुपये में हो रहे अवमूल्यन के कारण इसकी कीमत में खासा इजाफा हुआ है और ब्रांड्स ने भी लागत की भरपाई करने के लिए दाम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। इटली और स्पेन के कमोडिटी एक्सचेंजों पर दी गई सांकेतिक कीमत निम्नलिखित चलन की ओर इशारा करती है - (कमोडिटी के दाम सांकेतिक हैं और इसमें प्रसंस्करण, पैकेजिंग और परिवहन लागत शामिल नहीं है)। भारतीय खुदरा बाजार में इसकी कीमत में 35-40 फीसदी इजाफे की दरकार है और यह होगा ही। कंपनियां ग्राहकों पर यह बोझ एक साथ या चरणबद्ध तरीके से डाल सकती हैं, अपनी सुविधानुसार। उम्मीद है कि इटली और स्पेन से भेजे जा रहे नए स्टॉक पर नई कीमत होगी। नई कीमत वाले इस स्टॉक की भारतीय बाजार में मार्च या अप्रैल में पहुंचने की उम्मीद है। ऑलिव की कीमत में इजाफे की वजह है सूखे के कारण स्पेन में बड़े पैमाने पर इसकी फसल खराब होना। हर साल 14 लाख से 15 लाख टन ऑलिव ऑयल का उत्पादन करने वाले स्पेन में इस साल महज 6 लाख से 7 लाख टन ऑलिव ऑयल उत्पादन होने की उम्मीद है, जो सामान्य से 50 फीसदी कम है। दुनिया भर में महज 30 लाख टन ऑलिव ऑयल का सालाना उत्पादन होता है इसलिए इसमें 7 लाख से 8 लाख टन की कमी काफी मायने रखती है। इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के सदस्य इसके दाम में आई तेजी को कम से कम करने की पूरी कोशिश करेंगे लेकिन तथ्य यह है कि कच्चे माल की लागत में भारी इजाफा होने के कारण हर किसी के लिए हालात काफी मुश्किल हो गए हैं।

अर्द्धवार्षिक आंकड़े: अप्रैल से सितंबर 2012 के दौरान भारत ने इटली और स्पेन से 4,527 टन ऑलिव ऑयल का आयात किया था, जो अप्रैल-सितंबर 2011 की अवधि में हुए 2,767 टन ऑलिव ऑयल आयात के मुकाबले 64 फीसदी ज्यादा है।

फसल का वार्षिक आंकड़ा: अक्टूबर 2011 और सितंबर 2012 के फसल वर्ष के दौरान उद्योग के आंकड़ों के अनुसार भारत ने इटली और स्पेन से 8899 टन ऑलिव ऑयल का आयात किया था, जो फसल वर्ष 2010-11 के दौरान भारत द्वारा किए गए 5017 टन ऑलिव ऑयल के आयात से 77 फीसदी ज्यादा है। ऑलिव आयल के आकलन के लिए फसल वर्ष अक्टूबर-सितंबर ही उद्योग के लिए स्टैंडर्ड अवधि है। भारत द्वारा कुल आयातित ऑलिव ऑयल में से 90 फीसदी इटली और स्पेन से आता है।

Veer Arjun, Pg-8, 18.1.2013

ऑलिव के दाम में तेजी, चढ़ेंगे 40 फीसदी

वीर अर्जुन संवाददाता

ऑलिव के दाम में तेजी जारी है और पिछले 6 महीने में इसके दाम 5 फीसदी बढ़ चुके हैं। रुपये में हो रहे अवमूल्यन के कारण इसकी कीमत में खासा इजाफा हुआ है और ब्रांड्स ने भी लागत की भरपाई करने के लिए दाम बढ़ाने षुरू कर दिए हैं। इटली और स्पेन के कमोडिटी एक्सचेंजों पर दी गई सांकेतिक कीमत निम्नलिखित चलन की ओर इषारा करती हैं

भारतीय खुदरा बाजार में इसकी कीमत में 35-4 फीसदी इजाफे की दरकार है और यह होगा ही। कंपनियां ग्राहकों पर यह बोझ एक साथ या चरणबद्ध तरीके से डाल सकती हैं, अपनी सुविधानुसार। उम्मीद है कि इटली और स्पेन से भेजे जा रहे नए स्टॉक पर नई कीमत होगी। नई कीमत वाले इस स्टॉक की भारतीय बाजार में मार्च या अप्रैल में पहुंचने की उम्मीद है।

The Times of India, Pg-11, 18.1.13

Olive oil prices to be costlier by 50%

Jaipur: Olive oil prices have already risen and are set become costlier by more than 50% compared to six months ago on the back of depreciating rupee and drought in Spain, which produces almost half of the 3 million tonne global volume. VN Dalmia, president of the Indian Olive Association, said raw material costs are rising sharply and this has put everyone in a compelling situation to raise prices. India imports most of its olive oil requirements from Italy and Spain. TNN

PUBLICATION : THE FINANCIAL EXPRESS (FE)

EDITION : NEW DELHI

DATE : 17TH JANUARY 2013, PAGE NO. : 10

Olive oil prices on the boil, set to rise 40% by March

Sajan C Kumar

Chennai, Jan 16: Taking a cue from raw material costs quoted at commodity exchanges in Italy and Spain, the Indian olive oil retail prices are set to increase by about 35-40% soon. Individual firms may decide to pass on the hike to consumers at one go or in a staggered manner.

Stocks that are being despatched now from Italy and Spain are likely to carry new minimum retail prices (MRPs). These stocks with new prices are expected to reach retail stores in India sometime in March or April, said a note from the Indian Olive Association.

Olive oil prices are on the boil and have risen more than 50%.

With rupee's depreciation, costs have risen substantially and brands have begun hiking prices to meet costs. The reason for the cost increase is the immense failure this year of the crop in Spain due to a massive drought.

Spain, which produces 1.4- 1.5 million tonnes yearly of olive oil will produce between 600,000 - 700,000 tonnes this year, more than 50% drop. As the total production of olive oil in the world is only about 3 million tonnes, a loss of 700,000 - 800,000 tonnes is significant.

"While Indian Olive Association (IOA) members will do their best to restrict price increases to the minimum, the fact that raw material costs are on fire has put everyone more or less in a compelling situation," said the note. Meantime, olive oil exports to India from Italy and Spain were 4,527 tonnes during the period April to September, 2012 as compared to 2,787 tonnes in the same period in 2011, indicating an increase of 64%.

During the crop year October, 2011 - September, 2012, olive oil exports to India by Italy and Spain were 8,889 tonnes compared to 5,017 tonnes in the crop year 2010-11 indicating a growth of 77%.

The crop year October - September is the standard industry period of assessment for olive oil.

India's imports of olive oil from Italy and Spain constitute more than 90% of its total imports of olive oil. According to International Olive Council, the global olive oil production for 2012-13 has been forecast to total around 2.73 million tonnes, down by about a fifth on last year's all-time high of nearly 3.39 million tonnes. While leading producer Spain will see an output fall for the most due to due to harsh frosts over winter, followed by a severe summer drought, a season-on-season increase of 18.6% is likely in Greece.

Tunisia, which exports 70% of its olive oil, is also expecting an excellent harvest to the tune of 2,20,000 tonnes.

PUBLICATION : THE HINDU BUSINESS LINE (HBL)

EDITION : NEW DELHI

DATE : 17TH JANUARY 2013, PAGE NO. : 17

Olive oil prices set to zoom as drought looms over Spain

Vishwanath Kulkarni

New Delhi, Jan. 16

Olive oil aficionados are in for a price shock. Hit by drought, Spain, the largest olive producer, has slashed the crop by about half.

As a result, prices of olive oil have firmed up by over 50 per cent in the past six months forcing importers here to pass on the cost hike to consumers.

Besides, a weaker rupee against the euro has further exerted pressure on the importers here.

Some brands, such as Leonardo and Borges, have partially hiked prices in past few months, attributing it to the weaker currency. However, a bigger price hike is in the offing.

"There is tremendous pressure on companies to pass on the costs. Prices could go up by about 60 per cent by March as we don't have any choice," said V.N. Dalmia, President, Indian Olive Association.

Spain, which produces 1.4-1.5 million tonnes of olive oil annually, is expected to produce between 600,000 and 700,000 tonnes, down by over 50 per cent. Spain is the largest exporter of olive oil to India, accounting more than half of the latter's imports.

As the total production of olive oil in the world is only about 3 million tonnes, a loss of 700,000–800,000 tonnes is significant, Dalmia said.

INPUT COSTS

Apart from the rise in raw material price, the costs of processing and transportation have also gone up, compelling the importers hike prices. The price of raw material traded on commodity exchanges in Italy and Spain have gone up by an average of 50 per cent over past six months.

Dalmia said the price hike could stunt incremental growth in olive oil consumption in India, where rising affordability, health benefits and increased exposure to Western life styles were aiding the trend.

Despite the recent hike in prices, India's olive oil imports were up 64 per cent for the April-September 2012 period at 4,527 tonnes against 2,627 tonnes in the corresponding period last year.

Vishwanath.kulkarni@thehindu.co.in

Mahaka Bharat, pg-9, 17.1.2013

ऑलिव के दाम में तेजी, चढ़ेंगे 40 फीसदी

नई दिल्ली। ऑलिव के दाम में तेजी जारी है और पिछले 6 महीने में इसके दाम 50 फीसदी बढ़ चुके हैं। रुपये में हो रहे अवमूल्यन के कारण इसकी कीमत में खासा इजाफा हुआ है और ब्रोकर्स ने भी लागत की भरपाई करने के लिए दाम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। इटली और स्पेन के कमोडिटी एक्सचेंजों पर दी गई सांकेतिक कीमत निम्नलिखित चलन की ओर इशारा करती हैं। भारतीय खुदरा बाजार में इसकी कीमत में 35-40 फीसदी इजाफे की दरकार है और यह होगा ही।

कंपनियां ग्राहकों पर यह बोझ एक साथ या चरणबद्ध तरीके से डाल सकती हैं, अपनी सुविधानुसार। उम्मीद है कि इटली और स्पेन से भेजे जा रहे नए स्टॉक पर नई कीमत होगी। नई कीमत वाले इस स्टॉक को भारतीय बाजार में मार्च या अप्रैल में पहुंचने की उम्मीद है। ऑलिव की कीमत में इजाफे की वजह है सूखे के कारण स्पेन में बड़े पैमाने पर इसकी फसल खराब होना। हर साल 14 लाख से 15 लाख टन ऑलिव ऑयल का उत्पादन करने वाले स्पेन में इस साल महज 6 लाख से 7 लाख टन ऑलिव ऑयल उत्पादन होने की उम्मीद है, जो सामान्य से 50 फीसदी कम है। दुनिया भर में महज 30 लाख टन ऑलिव ऑयल का सालाना उत्पादन होता है इसलिए इसमें 7 लाख से 8 लाख टन की कमी काफी मायने रखती है।

इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के सदस्य इसके दाम में आई तेजी को कम से कम करने की पूरी कोशिश करेंगे लेकिन तथ्य यह है कि कच्चे माल की लागत में भारी इजाफा होने के कारण हर किसी के लिए हालात काफी मुश्किल हो गए हैं। अप्रैल से सितंबर 2012 के दौरान भारत ने इटली और स्पेन से 4,527 टन ऑलिव ऑयल का आयात किया था, जो अप्रैल-सितंबर 2011 की अवधि में हुए 2,767 टन ऑलिव ऑयल आयात के मुकाबले 64 फीसदी ज्यादा है। अक्टूबर 2011 और सितंबर 2012 के फसल वर्ष के दौरान उद्योग के आंकड़ों के अनुसार भारत ने इटली और स्पेन से 8899 टन ऑलिव ऑयल का आयात किया था, जो फसल वर्ष 2010-11 के दौरान भारत द्वारा किए गए 5017 टन ऑलिव ऑयल के आयात से 77 फीसदी ज्यादा है। ऑलिव आयल के आकलन के लिए फसल वर्ष अक्टूबर-सितंबर ही उद्योग के लिए स्टैंडर्ड अवधि है। भारत द्वारा कुल आयातित ऑलिव ऑयल में से 90 फीसदी इटली और स्पेन से आता है।

Olive_Awadhnama_Lucknow_Jan18_Page08

ऑलिव के दाम में तेजी चढ़ेंगे 40 फीसदी

लखनऊ। ऑलिव के दाम में तेजी जारी है और पिछले 6 महीने में इसके दाम 50 फीसदी बढ़ चुके हैं। रुपये में हो रहे अवमूल्यन के कारण इसकी कीमत में खासा इजाफा हुआ है और ब्रांड्स ने भी लागत की भरपाई करने के लिए दाम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं।

भारतीय खुदरा बाजार में इसकी कीमत में 35-40 फीसदी इजाफे की दरकार है और यह होगा ही। कंपनियां ग्राहकों पर यह बोझ एक साथ या चरणबद्ध तरीके से डाल सकती हैं, अपनी सुविधानुसार। उम्मीद है कि इटली और स्पेन से भेजे जा रहे नए स्टॉक पर नई कीमत होगी। नई कीमत वाले इस स्टॉक की भारतीय बाजार में मार्च या अप्रैल में पहुंचने की उम्मीद है।

ऑलिव की कीमत में इजाफे की वजह है सूखे के कारण स्पेन में बड़े पैमाने पर इसकी फसल खराब होना। हर साल 14 लाख से 15 लाख टन ऑलिव ऑयल का उत्पादन करने वाले स्पेन में इस साल महज 6 लाख से 7 लाख टन ऑलिव ऑयल उत्पादन होने की उम्मीद है, जो सामान्य से 50 फीसदी कम है। दुनिया भर में महज 30 लाख टन ऑलिव ऑयल का सालाना उत्पादन होता है इसलिए इसमें 7 लाख से 8 लाख टन की कमी काफी मायने रखती है।

Olive_Hindustan_Lucknow_Jan18_Page15

जैतून तेल के दाम बढ़े

इटली और स्पेन में उत्पादन घटने से जैतून तेल (ऑलिव) के दामों में तेजी जारी है और पिछले 6 महीने में इसके दाम 50 फीसदी बढ़ चुके हैं। रुपये में हो रहे अवमूल्यन से इसकी कीमतों में तेजी आई है।

Olive_Pioneer_Lucknow_Jan18_Page11

ऑलिव के दाम में तेजी, चढ़ेंगे 40 फीसदी

नयी दिल्ली। ऑलिव के दाम में तेजी जारी है और पिछले 6 महीने में इसके दाम 50 फीसदी बढ़ चुके हैं। रुपये में हो रहे अवमूल्यन के कारण इसकी कीमत में खासा इजाफा हुआ है और ब्रांड्स ने भी लागत की भरपाई करने के लिए दाम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। इटली और स्पेन के कमोडिटी एक्सचेंजों पर दी गई सांकेतिक कीमत इस चलन की ओर इशारा करती हैं। भारतीय खुदरा बाजार में इसकी कीमत में 35-40 फीसदी इजाफे की दरकार है और यह होगा ही। कंपनियां ग्राहकों पर यह बोझ एक साथ या चरणबद्ध तरीके से डाल सकती हैं, अपनी सुविधानुसार। उम्मीद है कि इटली और स्पेन से भेजे जा रहे नए स्टॉक पर नई कीमत होगी। नई कीमत वाले इस स्टॉक की भारतीय बाजार में मार्च या अप्रैल में पहुंचने की उम्मीद है।

Olive_Rashtriya Swarup_Lucknow_Jan18_Page12

ऑलिव के दाम में तेजी

नई दिल्ली। ऑलिव के दाम में तेजी जारी है और पिछले 6 महीने में इसके दाम 50 फीसदी बढ़ चुके हैं। रुपये में हो रहे अवमूल्यन के कारण इसकी कीमत में खासा इजाफा हुआ हैं। कंपनियां ग्राहकों पर यह बोझ एक साथ या चरणबद्ध तरीके से डाल सकती हैं। नई कीमत वाले इस स्टॉक की भारतीय बाजार में मार्च या अप्रैल में पहुंचने की उम्मीद है। ऑलिव की कीमत में इजाफे की वजह है सूखे के कारण स्पेन में बड़े पैमाने पर इसकी फसल खराब होना। हर साल 14 लाख से 15 लाख टन ऑलिव ऑयल का उत्पादन करने वाले स्पेन में इस साल महज 6 लाख से 7 लाख टन ऑलिव ऑयल उत्पादन होने की उम्मीद है, जो सामान्य से 50 फीसदी कम है। दुनिया भर में महज 30 लाख टन ऑलिव ऑयल का सालाना उत्पादन होता है इसलिए इसमें 7 लाख से 8 लाख टन की कमी काफी मायने रखती है

Dainik Awantika_Indore_pg-no.5_15.03.13_Olive

ऑलिव ऑयल के वैश्विक बाजार में भारत का बढ़ता महत्व

नई दिल्ली। इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के अध्यक्ष और डालमिया कॉन्टिनेंटल के चेयरमैन वी एन डालमिया मशहूर बीआईओएल 2013 कॉम्पिटिशन (प्रतियोगिता) के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल (ज्यूरी) का हिस्सा बनेंगे। यह प्रतियोगिता ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल के लिए इटली में आयोजित की जाती है। यह प्रतियोगित इटली के पुगलिया में स्थित आंद्रिया में 13 से 15 मार्च तक आयोजित की जाएगी और इसमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल की 350 प्रविष्टियों का आकलन किया जाएगा। ज्यूरी में 27 अंततराष्ट्रीय ऑलिव ऑयल विशेषज्ञों की एक समिति है, जो कई पुरस्कार प्रदान करेगी : बेस्ट ऑर्गेनिक ऑलिव ऑयल ऑफ द ईयर का 'बीआईओएल', बेस्ट पैकेजिंग के लिए 'बीआईओएलपैक' और बेस्ट ऑर्गेनिक ऑलिव ऑयल ऑफ कोराटिना वैरायटी के लिए एक प्रादेशिक पुरस्कार शामिल है। बीआईओएल प्रतियोगिता का यह 18वां साल है। श्री डालमिया को इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार की ज्यूरी में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना इस बात का संकेत है कि वैश्विक ऑलिव ऑयल बाजार में भारत की अहमियत को स्वीकार किया जा रहा है। इस कदम से इंडियल ऑलिव एसोसिएशन के योगदान और उसकी महत्ता को भी सम्मानित किया गया है। यह पहली बार है जब किसी भारतीय नागरिक को विदेश में होने वाली किसी भी ऑलिव ऑयल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने और ज्यूरी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

Dainik Jagran, P-4, 15-3-2013

डालमिया बीआईओएल इंटरनेशनल प्राइज की ज्यूरी में शामिल : इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के अध्यक्ष और डालमिया कॉटिनेंटल के चेयरमैन वीएन डालमिया मशहूर बीआईओएल 2013 (प्रतियोगिता) के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल (ज्यूरी) का हिस्सा बनेंगे।

Dainik Savera, P-9, 17-3-2013

डालमिया बी.आई.ओ.एल. इंटरनैशनल प्राइज की ज्यूरी में शामिल

चंडीगढ़ (आहूजा): इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के अध्यक्ष और डालमिया कान्टीनैंटल के चेयरमैन वी.एन. डालमिया मशहूर बी.आई.ओ.एल. 2013 प्रतियोगिता के प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक मंडल का हिस्सा बनेंगे। यह प्रतियोगित इटली के पुगलिया में स्थित आंद्रिया में 13 से 15 मार्च तक आयोजित की गई और इसमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल की 350 प्रविष्टियों का आकलन किया जाएगा।

Dainik Tribune, P-10, 17-3-2013

डालमिया ज्यूरी में शामिल : इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के अध्यक्ष और डालमिया कांटिनेंटल के चेयरमैन वीएन डालमिया बीआईओएल 2013 प्रतियोगिता के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल (ज्यूरी) का हिस्सा बनेंगे।

Hello Hindustan_Indore_Pg-10_16.03.2013

ऑलिव ऑयल के वैश्विक बाजार में भारत का बढ़ता महत्व

इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के अध्यक्ष और डालमिया कॉन्टिनेंटल के चेयरमैन वी एन डालमिया मशहूर बीआईओएल 2013 कॉम्पिटिशन (प्रतियोगिता) के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल (ज्यूरी) का हिस्सा बनेंगे। यह प्रतियोगिता ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल के लिए इटली में आयोजित की जाती है।

यह प्रतियोगित इटली के पुगलिया में स्थित आंद्रिया में 13 से 15 मार्च तक आयोजित की और इसमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल की 350 प्रविष्टियों का आकलन किया। ज्यूरी में 27 अंतरराष्ट्रीय ऑलिव ऑयल विशेषज्ञों की एक समिति ने कई पुरस्कार प्रदान किये: बेस्ट ऑर्गेनिक ऑलिव ऑयल ऑफ द ईयर का बीआईओएल, बेस्ट पैकेजिंग के लिए बीआईओएलपैक' और बेस्ट ऑर्गेनिक

TRUTH IN OLIVE OIL

ऑलिव ऑयल ऑफ कोराटिना वैरायटी के लिए एक प्रादेशिक पुरस्कार शामिल है। बीआईओएल प्रतियोगिता का यह 18वां साल है। डालमिया को इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार की ज्यूरी में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना इस बात का संकेत है कि वैश्विक ऑलिव ऑयल बाजार में भारत की अहमियत को स्वीकार किया जा रहा है। इस कदम से इंडियल ऑलिव एसोसिएशन के योगदान और उसकी महत्ता को भी सम्मानित किया गया है। यह पहली बार है जब किसी भारतीय नागरिक को विदेश में होने वाली किसी भी ऑलिव ऑयल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने और ज्यूरी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। 1996 में शुरू किए गए बीआईओएल पुरस्कार खासतौर पर ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल्स और संपूर्ण ऑलिव ऑयल उद्योग के वैश्विक संदर्भ में थे। हर साल पांचों महाद्वीपों के 17 देशों से 300 से भी ज्यादा उत्पादक अपने सबसे बेहतरीन ऑयल इस पुरस्कार के लिए भेजते हैं।

Indore Samachar_Indore_Pg.no9_15.03.2013

ऑलिव ऑयल के वैश्विक बाजार में भारत का बढ़ता महत्व

इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के अध्यक्ष और डालमिया कॉन्टिनेंटल के चेयरमैन वी एन डालमिया मशहूर बीआईओएल 2013 कॉम्पिटिशन (प्रतियोगिता) के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल (ज्यूरी) का हिस्सा बनेंगे। यह प्रतियोगिता ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल के लिए इटली में आयोजित की जाती है। यह प्रतियोगित इटली के पुगलिया में स्थित आंद्रिया में आयोजित की जाएगी और इसमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल की 350 प्रविष्टियों का आकलन किया जाएगा।

Insaaf ka prayas_Indore_pg.no5_15.03.2013

ऑलिव ऑयल के वैश्विक बाजार में भारत का बढ़ता महत्व

नई दिल्ली। इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के अध्यक्ष और डालमिया कॉन्टिनेंटल के चेयरमैन वी एन डालमिया मशहूर बीआईओएल 2013 कॉम्पिटिशन (प्रतियोगिता) के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल (ज्यूरी) का हिस्सा बनेंगे। यह प्रतियोगिता ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल के लिए इटली में आयोजित की जाती है। यह प्रतियोगित इटली के पुगलिया में स्थित आंद्रिया में 13 से 15 मार्च तक आयोजित की जाएगी और इसमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल की 350 प्रविष्टियों का आकलन किया जाएगा। श्री डालमिया को इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार की ज्यूरी में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना इस बात का संकेत है कि वैश्विक ऑलिव ऑयल बाजार में भारत की अहमियत को स्वीकार किया जा रहा है। इस कदम से इंडियल ऑलिव एसोसिएशन के योगदान और उसकी महत्ता को भी सम्मानित किया गया है। यह पहली बार है जब किसी भारतीय नागरिक को विदेश में होने वाली किसी भी ऑलिव ऑयल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने और ज्यूरी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

News Today_Indore_Pg-7_17.03.2013

ऑलिव आयल ज्यूरी में इंडियन

मुंबई • एजेन्सी

इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के अध्यक्ष और डालमिया कॉन्टिनेंटल के चेयरमैन वी एन डालमिया बीआईओएल 2013 कॉम्पिटिशन के अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल का हिस्सा बनेंगे। यह प्रतियोगिता ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल के लिए इटली में आयोजित की जाती है। इसमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल की 350 प्रविष्टियों का आकलन किया जाएगा। भारत में आयातित ऑलिव ऑयल में यूरोपियन ऑलिव ऑयल की हिस्सेदारी करीब 85 फीसदी है।

Prabhat kiran_Indore_pg.no6_15.03.2013

डालमिया बीआईओएल की ज्यूरी में

नई दिल्ली. इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के अध्यक्ष और डालमिया कॉन्टिनेंटल के चेयरमैन बी एन डालमिया बीआईओएल 2013 कॉम्पिटिशन के अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल (ज्यूरी) का हिस्सा बनेंगे। यह प्रतियोगिता ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल के लिए इटली में होगी।

Samachar Jagat, pg-9, 17.1.13

ऑलिव के दाम चढ़ेंगे 40 फीसदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

ऑलिव के दाम में तेजी जारी है और पिछले 6 महीने में इसके दाम 50 फीसदी बढ़ चुके हैं। रुपये में हो रहे अवमूल्यन के कारण इसकी कीमत में खासा इजाफा हुआ है और ब्रांड्स ने भी लागत की भरपाई करने के लिए दाम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। भारतीय खुदरा बाजार में इसकी कीमत में 35-40 फीसदी इजाफे की दरकार है और यह होगा ही। कंपनियां ग्राहकों पर यह बोझ एक साथ या चरणबद्ध तरीके से डाल सकती हैं, अपनी सुविधानुसार। उम्मीद है कि इटली और स्पेन से भेजे जा रहे नए स्टॉक पर नई कीमत होगी। नई कीमत वाले इस स्टॉक की भारतीय बाजार में मार्च या अप्रैल में पहुंचने की उम्मीद है। ऑलिव की कीमत में इजाफे की वजह है सूखे के कारण स्पेन में बड़े पैमाने पर इसकी फसल खराब होना। हर साल 14 लाख से 15 लाख टन ऑलिव ऑयल का उत्पादन करने वाले स्पेन में इस साल महज 6 लाख से 7 लाख टन ऑलिव ऑयल उत्पादन होने की उम्मीद है, जो सामान्य से 50 फीसदी कम है। दुनिया भर में महज 30 लाख टन ऑलिव ऑयल का सालाना उत्पादन होता है इसलिए इसमें 7 लाख से 8 लाख टन की कमी काफी मायने रखती है।

Samachar Jagat,Pg No- 9, 15.3.13

वीएन डालमिया बीआईओएल प्रतियोगिता की जूरी में

मुम्बई, (एजेंसी)।

इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के अध्यक्ष और डालमिया कॉन्टिनेंटल के चेयरमैन वी एन डालमिया मशहूर बीआईओएल 2013 कॉम्पिटिशन के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल का हिस्सा बनेंगे। यह प्रतियोगिता ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल के लिए इटली के पुगलिया में स्थित आंद्रिया में 15 मार्च तक आयोजित की जाएगी और इसमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल की 350 प्रविष्टियों का आकलन किया जाएगा। ज्यूरी में 27 अंततराष्ट्रीय ऑलिव ऑयल विषेषज्ञों की एक समिति है, जो कई पुरस्कार प्रदान करेगी: बेस्ट ऑर्गेनिक ऑलिव ऑयल ऑफ द ईयर का 'बीआईओएल', बेस्ट पैकेजिंग के लिए 'बीआईओएलपैक' और बेस्ट ऑर्गेनिक ऑलिव ऑयल ऑफ कोराटिना वैरायटी के लिए एक प्रादेषिक पुरस्कार षामिल है। बीआईओएल प्रतियोगिता का यह 18वां साल है।

Swadesh-Indore_pg-no.5_16.03.13

वैष्विक बाजार में भारत का बढ़ता महत्व

इंडियन ऑलिव एसोसिएशन के अध्यक्ष और डालमिया कॉन्टिनेंटल के चेयरमैन बी एन डालमिया मशहूर बीआईओएल २०१३ कॉम्पिटिशन (प्रतियोगिता) के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल (ज्यूरी) का हिस्सा बनेंगे। यह प्रतियोगिता ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल के लिए इटली में आयोजित की जाती है। यह प्रतियोगित इटली के पुगलिया में स्थित आंद्रिया में १३ से १५ मार्च तक आयोजित की जाएगी और इसमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए ऑर्गेनिक एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल की ३५० प्रविष्टियों का आकलन किया जाएगा। ज्यूरी में २७ अंततराष्ट्रीय ऑलिव ऑयल विशेषज्ञों की एक समिति है, जो कई पुरस्कार प्रदान करेगी : बेस्ट ऑर्गेनिक ऑलिव ऑयल ऑफ द ईयर का 'बीआईओएल', बेस्ट पैकेजिंग के लिए 'बीआईओएलपैक' और बेस्ट ऑर्गेनिक ऑलिव ऑयल ऑफ कोराटिना वैरायटी के लिए एक प्रादेशिक पुरस्कार शामिल है। बीआईओएल प्रतियोगिता का यह १८वां साल है। श्री डालमिया को इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार की ज्यूरी में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना इस बात का संकेत है कि वैश्विक ऑलिव ऑयल बाजार में भारत की अहमियत को स्वीकार किया जा रहा है। इस कदम से इंडियल ऑलिव एसोसिएशन के योगदान और उसकी महत्ता को भी सम्मानित किया गया है। यह पहली बार है जब किसी भारतीय नागरिक को विदेश में होने वाली किसी भी ऑलिव ऑयल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने और ज्यूरी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।